|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| DAY 1: 17 June | 1 | | 2 | | | | | | | | | 3 | | | | | | |  | | | | | | | |
| 9:00-9:30 | Registration and Coffee | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 9:30-9:45 | Introduction (Michael Hauskeller) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 9:45-11:00 | **KEYNOTE** Tatjana Schnell: *An Empirical Approach to Meaning in Life* | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 11:00-11:15 | Comfort Break | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 11:15-12:00 | Nathan Emmerich:  *Psychedelics, Psychotherapy, and Meaning in Life* | | | Oluwaseun Sanwoolu:  *Finding Meaning in Close Personal Relationships with AI* | | | | | | | Franlu Vulliermet:  *Love, Loss, and the Meaning of Life* | | | | | | | | |  | | | | | | |
| 12:00-12:45 | Arto Tammenoksa:  *The Ascetic Path to Meaning – A Phenomenological Approach to Resignation in a World of Empty Transcendences* | | | Chelsea Shay:  *The Fundamental Threat of Superintelligence: A Loss of Meaning in Modernity* | | | | | | | Brylea Hollinshead:  *Dispositional Love and Meaning in Life* | | | | | | | | |  | | | | | | |
| 12:45-14:00 | Lunch Break | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 14:00-14:45 | Lucy Tomlinson:  *This Beautiful, Meaningful Life* | | | | Jared Parmer:  *Automation, Value Learning AI, and the Aftermath of Meaningful Work* | | | | | Shawn Graves:  *Love and Meaning in Life* | | | | | | | | | | |  | | | | | |
| 14:45-15:30 | Christine Susienka:  *Hope and Meaning in Life* | | | | Ying Xue:  *The Risk of Seeking the Meaning of Life and a Hegelian Solution* | | | | | Jonathan Strand:  *On Making a Difference* | | | | | | | | | | |  | | | | | |
| 15:30-15.45 | Coffee Break | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 15:45-17:00 | **KEYNOTE** Kieran Setiya: *Meaning and the Afterlife* | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **18:00-21:00** | **Conference Dinner** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **DAY 2: 18 June** | 1 | | | | | | | 2 | | | | | | | | 3 | | | | | |  | | | | |
| 9:00-9:45 | Joshua Lewis Thomas:  *In Defence of Sense. Why the Intelligibility View is Still the Most Attractive Analysis of Life’s Meaning* | | | | | | | Jozef Majernik:  *“Life as an Experiment” in Nietzsche’s Gay Science* | | | | | | | | Roland Kipke:  *Meaning in the Life of Children* | | | | | |  | | | | |
| 9:45-10:30 | Nobuo Kurata:  *Intelligibility Approach to Meaning of Life* | | | | | | | Thomas Rule:  *Meaning as Horizon* | | | | | | | | Thomas Payre:  *A Sartrean Exploration of Meaningfulness in Mindless Actions* | | | | | |  | | | | |
| 10:30-11:00 | Coffee Break | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 11:00-11:45 | Natalia Tomashpolskaia:  *Border Situations as Stimuli to Search for the Meaning of Life on the Example of Wittgenstein’s War Experience* | | | | | | | Masahiro Morioka:  *Phenomenological Structures of “a Life” in the Philosophy of Life’s Meaning* | | | | | | | | | Iddo Landau:  *Suffering and Meaning in Life* | | | | | |  | | | |
| 11:45-12:30 | Giulia Codognato:  *Human Nature, Practices, and Common Good: How Human Beings Flourish* | | | | | | | Charlie Potter:  *Life as Lived Experience* | | | | | | | | | Vincent del Prado:  *Our Corporeal Spell. Embodiment, Subjectivity, and the Analytic Philosophy of Meaning in Life* | | | | | |  | | | |
| 12:30-13:30 | Lunch Break | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 13:30-14:45 | **KEYNOTE** James Tartaglia: *Neutral Nihilism* | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 14:45-15:30 | Irene Liu:  *Meaning and Tradition* | | | | | | | | George Backen:  *The Phenomenology of Meaning* | | | | | | | | | Fumitake Yoshizawa:  *Two Kinds of Meaninglessness in Life* | | | | | | | |  |
| 15:30-16:15 | Annemarie van Stee:  *Not Altogether Meaningless Lives* | | | | | | | | Kiki Berk:  *Beauvoir on Meaning in Life at Old Age* | | | | | | | | | Patrick O’Donnell:  *Pessimism on Meaning, Transcendence, and Reconciliation* | | | | | | | |  |
| **16:30-18:00** | **City and Beatles Bus Tour** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|  |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **DAY 3: 19 June** | | 1 | | | | 2 | | | | | | | | 3 | | | | | | | | |  | | | |
| 9:00-9:45 | | Patrick Derns: *Meaning, Life, and Morality – Friends or Foes?* | | | | Travis Rebello:  *The Value of a Meaningful Life* | | | | | | | | Alon Shalev:  *Final Ends and the Two Concepts of Meaningfulness* | | | | | | | | |  | | | |
| 9:45-10:30 | | Noah Jones:  *Utiliarianism and Meaningfulness: Enemies or Friends?* | | | | Katherine Martha:  *Narrative, Meaning, and Well-Being: Fact or Fiction* | | | | | | | | Jonah Goldwater:  *The Hierarchy Account of Meaning in Life* | | | | | | | | |  | | | |
| 10:30-10:45 | | Coffee Break | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 10:45-11:30 | | Ellie Palmer:  *Morality and the Posthumous Self* | | | | William Pamerleau:  *The Impact of Film on Meaning in Life* | | | | | | | | | Ayush Nautiyal:  *The Coherency of the Moderate Supernaturalist View in Light of the Mawson-Metz Argument* | | | | | | | | |  | | |
| 11:30-12:15 | | Luke Elson:  *Moral Error Theory and Meaning* | | | | Markus Ruether:  *Meaning Objectivism and the Relativity Challenge* | | | | | | | | | Matthew Hammerton:  *A Conditional Analysis of Meaning in Life* | | | | | | | | |  | | |
| 12:15-13:15 | | Lunch Break | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 13:15-14:00 | | Christopher Earley:  *Witnessing History and Searching for Meaning* | | | | | Damiano Ranzenigo:  *Existential Necessity* | | | | | | Asheel Singh:  *Openness to ‘Cosmic Realism’ about the Meaning of Life* | | | | | | | | | | | |  | |
| 14:00-14:45 | | John Adams:  *Memory, Wonder and Longing: How the Past Gives Meaning to Our Lives* | | | | |  | | | | | | Tayron Alberto Achury Torres:  *Perseverance in its Being and the Meaning of Life: A perspective from the Philosophy of Spinoza* | | | | | | | | | | | |  | |
| 14:45-15:00 | | Coffee Break | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 15:00-16:00 | | Panel Discussion | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 16:00-16:30 | | Concluding Remarks and Outlook | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |